ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 21-04-2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-04-21 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-04-22	2023-04-23	2023-04-24	2023-04-25	2023-04-26
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	36.0	36.0	37.0
न्यूनतम तापमान(से.)	18.0	19.0	19.0	18.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	70	70	75	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	35	35	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	12	10	12	8
पवन दिशा (डिग्री)	70	70	290	50	50
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	3	5	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (14-20 अप्रैल, 2023) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहने के साथ बादल छाये रहें। अधिकतम तापमान 36.0 से 39.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 15.7 से 20.9 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 57 से 80 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 16 से 21 प्रतिशत एवं हवा 1.4 से 4.4 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम व पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। साथ ही कहीं कहीं हल्के बादल छाए रहेंगे अधिकतम तापमान 35.0 से 37.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 18.0 से 19.0 डि0से0 के बीच रहेगा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 70 से 75 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 30 से 35 प्रतिशत एवं हवा 10.0 से 12.0 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः उत्तर पूर्व, पूर्व उत्तर पूर्व, व पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी

सामान्य सलाहकार:

धान-गेंहूँ फसल चक्र में, गेंहूँ की कटाई एवं अन्य रबी फसलों की कटाई के बाद हरी खाद हेतु मुख्यतः ढैंचा एवं सनई की बुवाई करें। बलुई एवं दोमट मृदाओं में सनई भारी मृदा एवं जल भराव वाले क्षेत्रों में ढैंचा को प्राथमिकता दें। ढैंचा के लिए बीज दर 50-60 किग्रा/है एवं सनई के लिए बीज दर 80-90 किग्रा/है रखें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। साथ ही कहीं कहीं हल्के बादल छाए रहेंगे

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूँ की कटाई एवं मड़ाई का कार्य पूर्ण करें। भंडारण से पहले काटे गए अनाज को पर्याप्त रूप से सुखाना चाहिए।
गन्ना	अगर गेहूँ की कटाई के बाद विलम्ब से गन्ना की बुवाई करनी हो तो इसे अप्रैल माह में पूरा कर लें। बुवाई हेतु गन्ना के 1/3 से 1/2 ऊपरी हिस्सों को बीज में प्रयोग करें। बीजोपचार से पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगोंए।गों गों इससे जमाव में आशातील बढ़ोत्तरी होती है। बीज शोधन होतु 1 ग्राम कार्बेडाजिम 50 प्रतिशत को एक लीटर पानी की दर से घोल बनाए।
चारा मक्की	फरवरी के द्वितीय पखवाड़े में चारे हेतु बोई गई मक्का की फसल में सिंचाई करें तथा सिंचाई के 3-4 दिन बाद 30-35 किग्रा नत्रजन प्रति हैक्टर ;लगभग 65-75 किग्रा यूरियाद्ध की दर से टॉप ड्रेसिंग करें।
सूरजमुखी	फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करे तथा निराई-गुड़ाई कर खरपतवार को निकाल लें। गुड़ाई के समय पौधों की जड़ो पर 10-15 सेंमी मिट्टी भी चढ़ा दें।
अदरक	अदरक की बुवाई करे। अदरक के खेत में पलेवा करे। साथ ही खेत में गोबर की सड़ी हुई खाद 20-25 टन डालकर जुताई करे। इसके अतिरिक्त 50 किग्रा0 नत्रजन, 80 किग्रा0 फास्फोरस और 80 किग्रा0 पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से खेत की अन्तिम जुताई के समय डाले एवं मिट्टी में मिला दे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	भिंडी की फसल में हल्की निराई-गुड़ाई के साथ सिंचाई करे।
टमाटर	टमाटर की उपरी पत्तियो पर बारीक चितकबरे धब्बे दिखाई देने पर सर्वांगी कीटनाशी का 10 से 15 दिन के अन्तराल पर नियमित छिड़काव करे।
सेम की फली	फ्रासबीन में नये पौधे सूखने दशा में कार्बनडाजिम 1 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर जड़ो की सिचाई करे। यदि बड़े पौधो में पत्ते पीले पड़ने एवं झुलसने की दशा में इसी रसायन का पत्तियो पर छिड़काव करे।
बैंगन	बैगन की फसल में हल्की निराई-गुड़ाई के साथ सिंचाई करे।
अरबी	मैदानी, भाबर व तराई क्षेत्रों में, इस माह अरबी की अगेती किस्म की की बुवाई करें। अरबी के खेत में पलेवा करे। साथ ही खेत में गोबर की सड़ी हुई खाद 20-25 टन डालकर जुताई करे। इसके अतिरिक्त 50 किग्रा0 नत्रजन, 80 किग्रा0 फास्फोरस और 80 किग्रा0 पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से खेत की अन्तिम जुताई के समय डाले एवं मिट्टी में मिला दे।
आम	जब आम का फल मटर के दाने के बराबर हो जाय तो सिंचाई शुरू कर देनी चाहिए। फल अच्छादन होने के उपरान्त मैंगो हौपर के प्रकोप होने की स्थिति में इमिडाक्लोरपिड का 3 मि0ली0 /10लीटर के हिसाब से आम में छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	इस गर्मी के दिनों में पशुओं के लिए पानी की उचित व्यवस्था करें। पीने के पात्र को साफ रखना चाहिए और दिन के समय पशुओ को कम से कम चार बार पानी जरूय पिलाये। पशुओं में मेस्टाईटिस के लक्षण दिखाई देने पर इसका तुरंत इलाज कर